

भारत सरकार  
विद्युत मंत्रालय

....

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-953

जिसका उत्तर 27 जून, 2019 को दिया जाना है।

विद्युत कटौती की घटनाएं

953. डॉ. उमेश जी जाधव:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) देश में कर्नाटक सहित टायर-2 और टायर-3 शहरों में राज्य-वार औसतन विद्युत की कितनी कटौती की जाती है;
- (ख) क्या अधिक मांग वाले घंटों के समय विद्युत कटौती की घटनाएं सबसे खराब होती हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या ऐसी घटनाओं के कारणों का आकलन किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (घ) सरकार द्वारा उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत की अबाधित आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु क्या कदम उठाए जा रहे हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री

(श्री आर. के. सिंह)

(क) से (ग) : विद्युत एक समवर्ती विषय है। विभिन्न क्षेत्रों, शहरों, गांवों एवं दूर-दराज के क्षेत्रों आदि सहित सभी उपभोक्ताओं को विद्युत उपलब्ध कराना संबंधित राज्य सरकारों/विद्युत वितरण कंपनियों (डिस्कॉमों) का मुख्य उत्तरदायित्व है।

31.05.2019 तक की स्थिति के अनुसार संस्थापित उत्पादन क्षमता लगभग 357 गीगावाट (जीडब्ल्यू) है जो देश की व्यस्ततम मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। वर्तमान वर्ष 2019-20 (मई, 2019 तक) सबसे अधिक व्यस्ततम मांग लगभग 183 जीडब्ल्यू थी। अप्रैल-मई, 2019 के दौरान देश में औसत विद्युत कमी लगभग केवल 0.4 प्रतिशत थी तथा व्यस्ततम विद्युत कमी लगभग केवल 0.5 प्रतिशत थी। चालू वर्ष 2019-20 (मई, 2019 तक) के दौरान कर्नाटक सहित देश में विद्युत आपूर्ति की स्थिति का राज्य-वार ब्यौरा अनुबंध में दिया गया है। यह अंतर सामान्यतः वितरण नेटवर्क में अवरोध, वितरण कंपनियों द्वारा विद्युत खरीद के लिए धन की कमी आदि जैसे कारकों के कारण होता है।

(घ) : भारत सरकार, राज्य सरकारों के प्रयासों को दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डीडीयूजीजेवाई), एकीकृत विद्युत विकास स्कीम (आईपीडीएस), प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना-सौभाग्य, उज्ज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना (उदय) सहित अपनी स्कीमों के माध्यम से सम्पूर्ण करती है। ये स्कीमों में वितरण नेटवर्क/ग्रिड कनेक्टिविटी का सुदृढीकरण करने और सभी उपभोक्ताओं को 24X7 विद्युत उपलब्ध कराने में सहायता करती हैं और उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति को सुविधाजनक बनाती हैं।

भारत सरकार राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को केंद्रीय उत्पादन स्टेशनों (सीजीएस) से विद्युत आबंटित करके सहायता भी करती है। राज्य मांग एवं आपूर्ति में अंतर को पूरा करने के लिए पावर एक्सचेंजों सहित विभिन्न विपणन तंत्रों के माध्यम से भी विद्युत क्रय कर सकता है।

\*\*\*\*\*

लोक सभा में दिनांक 27.06.2019 को उत्तरार्थ अतारंकित प्रश्न संख्या 953 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध।

\*\*\*\*\*

2019-20 के लिए विद्युत आपूर्ति स्थिति (अनंतिम)

राज्य/सिस्टम/क्षेत्र	ऊर्जा				व्यस्ततम			
	अप्रैल, 2019 - मई, 2019 *				अप्रैल, 2019 - मई, 2019 *			
	ऊर्जा आवश्यकता (एमयू)	आपूर्ति की गई ऊर्जा (एमयू)	आपूर्ति नहीं की गई ऊर्जा (एमयू)	(%)	व्यस्ततम मांग (मेगावाट)	व्यस्ततम आपूर्ति (मेगावाट)	पूरी नहीं की गई मांग (मेगावाट)	(%)
चंडीगढ़	271	271	0	0	356	356	0	0
दिल्ली	6,065	6,064	1	0.0	6,461	6,461	0	0.0
हरियाणा	8,679	8,679	0	0.0	8,874	8,874	0	0.0
हिमाचल प्रदेश	1,654	1,644	10	0.6	1,480	1,480	0	0.0
जम्मू व कश्मीर	3,364	2,720	644	19.1	2,885	2,426	459	15.9
पंजाब	8,475	8,475	0	0.0	8,802	8,802	0	0.0
राजस्थान	13,313	13,300	13	0.1	11,791	11,791	0	0.0
उत्तर प्रदेश	22,897	22,817	79	0.3	22,487	22,057	430	1.9
उत्तराखंड	2,449	2,449	0	0.0	2,155	2,155	0	0.0
<b>उत्तरी क्षेत्र</b>	<b>67,166</b>	<b>66,419</b>	<b>747</b>	<b>1.1</b>	<b>60,987</b>	<b>60,078</b>	<b>909</b>	<b>1.5</b>
छत्तीसगढ़	5,765	5,764	1	0.0	4,596	4,574	22	0.5
गुजरात	21,748	21,748	0	0.0	18,094	18,094	0	0.0
मध्य प्रदेश	12,735	12,735	0	0.0	10,145	10,131	14	0.1
महाराष्ट्र	29,295	29,294	0	0.0	23,621	23,613	8	0.0
दमन व दीव	443	443	0	0.0	344	344	0	0.1
दादरा नागर हवेली	1,106	1,106	0	0.0	818	818	0	0.0
गोवा	801	801	0	0.0	594	594	0	0.0
<b>पश्चिमी क्षेत्र</b>	<b>71,893</b>	<b>71,892</b>	<b>1</b>	<b>0.0</b>	<b>57,113</b>	<b>57,093</b>	<b>20</b>	<b>0.0</b>
आंध्र प्रदेश	11,709	11,702	7	0.1	9,854	9,854	0	0.0
तेलंगाना	10,772	10,771	1	0.0	10,269	10,202	67	0.7
कर्नाटक	13,569	13,568	1	0.0	12,700	12,688	12	0.1
केरल	4,888	4,878	10	0.2	4,316	4,300	16	0.4
तमिलनाडु	20,031	20,030	1	0.0	15,680	15,659	21	0.1
पुडुचेरी	517	516	1	0.1	453	444	9	2.0
लक्षद्वीप#	8	8	0	0	8	8	0	0
<b>दक्षिणी क्षेत्र</b>	<b>61,486</b>	<b>61,465</b>	<b>21</b>	<b>0.0</b>	<b>49,218</b>	<b>49,103</b>	<b>115</b>	<b>0.2</b>
बिहार	5,662	5,659	3	0.1	5,481	5,481	0	0.0
डीवीसी	3,757	3,755	2	0.1	3,048	3,048	0	0.0
झारखंड	1,505	1,495	10	0.7	1,330	1,330	0	0.0
ओडिशा	5,261	5,261	0	0.0	5,142	5,140	3	0.1
पश्चिम बंगाल	9,920	9,897	23	0.2	9,335	9,335	0	0.0
सिक्किम	78	78	0	0.0	100	100	0	0.0
अंडमान-निकोबार#	58	54	4	7	58	54	4	7
<b>पूर्वी क्षेत्र</b>	<b>26,182</b>	<b>26,144</b>	<b>38</b>	<b>0.1</b>	<b>23,558</b>	<b>23,558</b>	<b>0</b>	<b>0.0</b>
अरुणाचल प्रदेश	127	126	1	0.6	140	138	2	1.2
असम	1,573	1,434	139	8.8	1,910	1,673	237	12.4
मणिपुर	135	134	2	1.2	197	188	9	4.8
मेघालय	336	318	18	5.5	337	337	0	0.0
मिजोरम	100	99	1	0.8	116	113	3	2.8
नागालैंड	124	123	1	0.8	157	131	27	16.9
त्रिपुरा##	292	288	4	1.3	297	295	1	0.5
<b>पूर्वोत्तर क्षेत्र</b>	<b>2,686</b>	<b>2,521</b>	<b>165</b>	<b>6.2</b>	<b>2,848</b>	<b>2,780</b>	<b>68</b>	<b>2.4</b>
<b>अखिल भारत</b>	<b>229,413</b>	<b>228,441</b>	<b>972</b>	<b>0.4</b>	<b>183,513</b>	<b>182,533</b>	<b>981</b>	<b>0.5</b>

\* अनंतिम

#लक्षद्वीप और अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह स्टैंड अलोन प्रणाली में हैं, इसलिए इनकी विद्युत आपूर्ति की स्थिति क्षेत्रीय आवश्यकता और आपूर्ति का भाग नहीं है।

##बांग्लादेश को आपूर्ति छोड़कर।

टिप्पणी: राज्य यूटिलिटी/विद्युत विभागों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर विद्युत आपूर्ति स्थिति रिपोर्ट संकलित की गई है।

\*\*\*\*\*